मैं तो रटूँ श्रीराधा-राधा नाम ...

मैं तो रटूँ श्रीराधा-राधा नाम, बिरज की गलियन में ।
रहूँ खोई-खोई आठों याम, बिरज की गलियन में ।।

इत उत डोलूं कहि कहि राधा
मिट जाये जीवन की बाधा
कहीं मिल जायें घनश्याम, बिरज की गलियन में ।।1।।

उलझि उलझि बृज की कुंजन में
सेवा कुंज और निधि बन में
जीवन की हो जाये शाम, बिरज की गलियन में ।।2।।

अब तो आस यही जीवन की
रज मिल जाये मोहे श्री चरणन की
जब निकलें तन सों प्राण, बिरज की गलियन में ।।3।।

http://www.govindbhargav.in